



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 390]
No. 390]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 11, 1990/भाद्रपद 20, 1912
NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 11, 1990/BHADRA 20, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1990

सं. 34/90-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (एन.टी.)

सं.सा.ना. 771 (अ) :- केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क
और तमक अधिनियम 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा
प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944
का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:-

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (समतक
संशोधन नियम, 1990) है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 173 ज के स्थान
पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात्:-

"173-ज. शुल्क संकलन माल का कारखाने या भांडागार में प्रति-
धारण या लाया जाता --

(1) इसमें इसके पश्चात् जैसा उपबंधित है उसके विषय, कोई
भी ऐसा उत्पाद शुल्क माल या उसका भाग, जिस पर शुल्क
का संकलन कर दिया गया है, किसी कारखाने या भांडागार
में नहीं लाया जाएगा या प्रविष्टि नहीं किया जाएगा।

(2) निर्वर्तित, ऐसे शर्तों के अधीन रहते हुए जो कलक्टर द्वारा
विनिर्दिष्ट की जाएं, ऐसे उत्पाद-शुल्क माल को या उसके भाग
को जिसके साथ शुल्क संकलन दस्तावेज हैं, अपने कारखाने या
भांडागार में प्रविष्टि कर सकेंगे, या ला सकेंगे यदि:-

(क) ऐसा माल या उसका भाग कारखाने में ग्रन्थ माल के
विनिर्माण में प्रयोग के लिए अपेक्षित है, या

(ख) ऐसा माल या उसका भाग, कारखाने में निर्माण या
संरम्भ के लिए या फिटिंग अथवा उपकरण के रूप में
प्रयोग के लिए या किसी ऐसे अन्य प्रयोजन के लिए
अपेक्षित है जिसके लिए ऐसे माल का सामान्य रूप से
उपयोग किया जाता है; या

(ग) ऐसे माल या उसके भाग का पुनः बनाया जाना, परिष्कृत किया जाना, पुनरनुकूलित किया जाना, मरम्मत किया जाना या उस पर किसी प्रकार का कोई प्रसंस्करण किया जाना आवश्यक है ; या

(घ) निष्पारिती के नियंत्रण से बाहर की परिस्थितियों के कारण, जैसे रेलों पर बुकिंग निरन्तर होने, रेल दौड़न उपलब्ध न होने या बट्टक के ड्रॉप हो जाने के कारण, माल या उसके भाग का परिवहन नहीं किया जा सकता है ; या

(ङ) माल या उसके भाग की परख के लिए, डिजाइनों या निर्माण के ढंग का अध्ययन किए जाने की आवश्यकता है ;

परन्तु जहाँ ऐसा माल या उसका भाग, जहाँ (ग) में विनिर्दिष्ट प्रयोजनों में से किसी के लिए निष्पारिती के कारखाने या भाँडागार में लाया जाय के लिए अपेक्षित है वहाँ ऐसा माल या उसका भाग, कारखाने भाँडागार से उसके प्रारंभ में हटाए जाने की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर अथवा ऐसी वारण्टी या गारण्टी की जो उसके विनिर्माण द्वारा ऐसे माल के संबंध में दी गई हो, अवधि के भीतर इनमें से जो भी अधिक हो, ऐसे कारखाने या भाँडागार में लाया जाएगा :

परन्तु यह धार कि कलक्टर को, उसकी इस संबंध में अभ्यावेदन किए जाने पर, यह राय है कि मामले की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए ऐसा करना आवश्यक है तो, वह आदेश द्वारा पहले परंतुष में विनिर्दिष्ट अवधि को ऐसी अवधि तक बढ़ा सकेगा जो वह आवश्यक समझे

परन्तु यह और भी माल या उसके भाग की वशा में, जिसके साथ शुल्क संदाय-वस्तावेज नहीं है, यदि कलक्टर का यह समाधान हो जाता है कि माल की अनन्यता, किसी अन्य संपत्तिवैक साक्ष्य द्वारा सिद्ध की जा सकती है तो यह, उस आदेश द्वारा और ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जो वह अधिरोपित करे, शुल्क संदाय-वस्तावेजों के पेश किए जाने की अपेक्षा की शिथिल कर सकेगा ।

(3) उपनियम (2) के उपबंधों के अनुसार किसी कारखाने भाँडागार में प्रतिधारित किए गए या काए गए माल या उसके भाग को यदि उस पर ऐसा कोई प्रसंस्करण नहीं किया जाता है जो विनिर्माण की कोटि में आता है तो, कारखाने या भाँडागार से, ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए, जो कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट की जाएँ, शुल्क के संदाय के बिना हटाया जा सकेगा ।”

[फा.सं. 212/51/89-सीएक्स 6]

एच.के.मिल्लल, सचिव सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 11th September, 1990

No. 34/90-Central Excises (N.T.)

G.S.R. 771(E).—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Excise (Seventh Amendment) Rules, 1990.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. For rule 173H of the Central Excise Rules, 1944, the following rule shall be substituted, namely :—

“173H. Retention in, or bringing into, a factory or warehouse, of duty paid goods,—

(1) Except as hereinafter provided, no excisable goods or parts thereof on which duty has been paid shall be brought into, or retained in, a factory or a warehouse.

(2) An assessee may, subject to such conditions as may be specified by the Collector, retain in, or bring into, his factory or warehouse, excisable goods or parts thereof, accompanied by duty paying documents, if such goods or parts thereof,—

(a) are required for use in the manufacture of other goods in the factory; or

(b) are required in the factory for construction; repairs or for use as fittings or equipment or for any other purpose for which such goods are normally consumed; or

(c) need to be re-made, refined, reconditioned, repaired or subjected to any similar process in the factory; or

(d) cannot be transported due to circumstances beyond the assessee's control, such as, the suspension of booking on railways, non-availability of railway wagons or the breakdown of carriers; or

(e) are required for test or for study of designs or methods of construction;

Provided that where such goods or parts thereof are required to be brought into the factory or warehouse of an assessee for any of the purposes specified in clause (c), such goods or parts thereof shall be brought into such factory or warehouse within a period of one year from the date of their initial removal from the factory or warehouse or within the period of warranty or guarantee provided in respect of such goods by the manufacturer thereof, whichever is more :

Provided further that the Collector may, on a representation being made to him in this regard, if he is of opinion that having regard to the circumstances of the case, it is necessary so to do, by order extend the period specified in the first proviso to such period as he may consider necessary :

Provided also that in the case of goods or parts thereof which are not accom-

panied by duty paying documents, if the Collector is satisfied that the identity of the goods can be established by other collateral evidence, he may by order and subject to such conditions as he may impose, relax the requirement of the production of duty paying documents.

- (3) The goods or parts thereof retained in, or brought into, a factory or a warehouse in

accordance with the provisions of sub-rule (2) may, if not subjected to any process amounting to manufacture, be removed from the factory or warehouse without payment of duty subject to such conditions as may be specified by the Collector."

[F. No. 212/51/89-CX. 6]

H. K. MITTAL, Under Secy.

